

भारतीय रुपए का मूल्यहरास

प्रलिम्स के लिये:

अवमूल्यन बनाम मुद्रा का मूल्यहरास, भारतीय रुपए का मूल्यहरास ।

मेन्स के लिये:

भारतीय रुपए के वर्तमान मूल्यहरास का कारण और प्रभाव ।

चर्चा में क्यों?

सितंबर-दिसंबर 2021 की तमिाही में भारतीय मुद्रा में 2.2% की गरिवट आई । [मुद्रा का यह मूल्यहरास](#) (Depreciation of Currency) देश के शेयर बाज़ार से 4 बलियिन डॉलर मूल्य के वैश्वकि फंडों के बाहर नकिलने के कारण है ।

- मुद्रा के मूल्य में आई इस गरिवट ने भारतीय रुपए को एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना दिया है ।

प्रमुख बदि

■ मूल्यहरास के बारे में:

- मुद्रा का मूल्यहरास/अवमूल्यन असथायी वनिमिय दर प्रणाली में मुद्रा के मूल्य में गरिवट है ।
- रुपए के मूल्यहरास का मतलब है कि डॉलर के मुकाबले रुपए का कमज़ोर होना ।
 - इसका मतलब है कि रुपया अब पहले की तुलना में कमज़ोर है ।
 - उदाहरण के लिये पहले एक अमेरिकी डॉलर 70 रुपए के बराबर हुआ करता था । अब एक अमेरिकी डॉलर 76 रुपए के बराबर है जिसका अर्थ है कि डॉलर के मुकाबले रुपए का अवमूल्यन हुआ है यानी एक डॉलर को खरीदने में अधिक रुपए लगते हैं ।

■ भारतीय रुपए के मूल्यहरास का प्रभाव:

- रुपए में गरिवट भारतीय रज़िर्व बैंक के लिये एक दोधारी तलवार (नकारात्मक एवं सकारात्मक) की भाँति होती है ।
 - **सकारात्मक प्रभाव:** एक कमज़ोर मुद्रा महामारी के समय नए आर्थिक सुधार के बीच नरियात को प्रोत्साहति कर सकती है ।
 - **नकारात्मक प्रभाव:** यह आयातति मुद्रास्फीतिका जोखमि उत्पन्न करता है और केंद्रीय बैंक के लिये ब्याज दरों को रकिॉर्ड स्तर पर लंबे समय तक बनाए रखना मुश्कलि बना सकता है ।

मुद्रा का अभिमूल्यन और अवमूल्यन

- **लचीली वनिमिय दर प्रणाली (Floating Exchange Rate System)** में बाज़ार की ताकतें (मुद्रा की मांग और आपूर्ति) मुद्रा का मूल्य नरिधारति करती हैं ।
- **मुद्रा अभिमूल्यन :** यह कसिी अन्य मुद्रा की तुलना में एक मुद्रा के मूल्य में वृद्धि है ।
 - सरकार की नीति, ब्याज दर, व्यापार संतुलन और व्यापार चक्र सहति कई कारणों से मुद्रा के मूल्य में वृद्धि होती है ।
 - मुद्रा अभिमूल्यन कसिी देश की **नरियात गतविधि को हतोत्साहति** करता है क्योंकि वदिशों से वस्तुएँ खरीदना सस्ता हो जाता है, जबकि वदिशी व्यापारियों द्वारा देश की वस्तुएँ खरीदना महँगा हो जाता है ।
- **मुद्रा अवमूल्यन:** यह एक लचीली वनिमिय दर प्रणाली में **मुद्रा के मूल्य में गरिवट** है ।
 - आर्थिक बुनयािदी संरचना, राजनीतिक अस्थरिता या जोखमि से बचने के कारण मुद्रा अवमूल्यन हो सकता है ।
 - मुद्रा अवमूल्यन कसिी देश की **नरियात गतविधि को प्रोत्साहति** करता है क्योंकि वदिशों से वस्तुएँ खरीदना महँगा हो जाता है, जबकि वदिशी व्यापारियों द्वारा संबंधति देश की वस्तुएँ खरीदना सस्ता हो जाता है ।

अवमूल्यन और मूल्यहरास

- सामान्य तौर पर अवमूल्यन और मूल्यहरास प्रायः एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जाते हैं।
- उन दोनों का एक ही प्रभाव है- मुद्रा के मूल्य में गरिावट जो आयात को अधकि महँगा बनाती है, और नरियात को अधकि प्रतस्पर्धी बनाती है।
- हालाँकि उन्हें लागू करने के तरीके में अंतर है।
- अवमूल्यन तब होता है जब कसिी देश का केंद्रीय बैंक अपनी वनिमिय दर को एक नश्चिति या अर्द्ध-स्थरि वनिमिय दर में कम करने का नरिणय लेता है।
- मूल्यहरास तब होता है जब एक मुद्रा के मूल्य में अस्थायी वनिमिय दर में गरिावट होती है।
- भारतीय रुपए के वर्तमान मूल्यहरास का कारण:
 - रकिॉर्ड-उच्च व्यापार घाटा: उच्च आयात के बीच नवंबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 23 बलियिन डॉलर हो गया।
 - यह बढ़ता व्यापार घाटा तेल की कीमतों में उछाल से प्रेरति है।
 - आरबीआई और फेडरल रज़रर्व के बीच नीतगित अंतर: अमेरकिी अर्थव्यवस्था में बेहतर वकिस और फेडरल रज़रर्व (यूएस सेंटरल बैंक) द्वारा पेश किये गए अनुकूल ब्याज की उम्मीदों के अनुरूप USD को मज़बूत करना।
 - रज़रर्व बैंक अपने भंडार का नरिमाण करने और कसिी भी अस्थरिता के लिये खुद को तैयार करने हेतु लगातार डॉलर खरीद रहा है।
 - पूंजी का बहरिवाह: शेरों से वदिशी पूंजी के पलायन ने बेंचमार्क 'एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स' को अक्टूबर 2021 में अब तक के उच्चतम स्तर से लगभग 10% कम कर दिये है।
 - ओमीक्रोन संबंधी चतिारें: वर्तमान में ओमीक्रोन वायरस संस्करण संबंधी चतिारें वैश्वकि बाज़ारों में हलचल मचा रही हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/depreciation-of-indian-rupee>

